Total No. of Printed Pages : 3 Roll No................

BAJY-302

मेलापक एवं विवाह मुहूर्त विचार

कला में स्नातक (ज्योतिष) बी.ए.-12/16/17

तृतीय वर्ष, सत्र 2020

Time Allowed : 2 Hours Maximum Marks : 80

नोटः यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है। जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल कीजिए।

खण्ड-'क'

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड-'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×20=40)

1. वैधव्य एवं विधुर योगों का विस्तृत वर्णन कीजिए।
2. विवाह मुहूर्त्त का प्रतिपादन कीजिए।

3. विवाह मुहूर्त्त निर्णय के दस दोषों का नाम लिखिए। लतादोष एवं पातदोष का विचार कीजिए।

4. विवाह में अष्टकूट दोष परिहार का वर्णन कीजिए।

5. द्विरागमन मुहूर्त्त का प्रतिपादन कीजिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट: खण्ड-'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×10=40)

1. विवाह का प्रयोजन लिखिए।

2. वैधव्य योग परिहार लिखिए।

3. विवाह में नाड़ी दोष का निरुपण कीजिए।

4. कन्यावरण मुहूर्त्त को लिखिए।

5. वधू प्रवेश मुहूर्त्त लिखिए।

6. त्रिबल शुद्धि का प्रतिपादन कीजिए।

7. विवाह मास विचार का वर्णन कीजिए।

8. सम्मुख शुक्र का शुभाशुभ फल प्रतिपादन कीजिए।

****